एम.ए. (हिंदी) भाग - 2

चतुर्थ सत्र

वैकल्पिक पेपर

पेपरनं.	कोड नं.	शीर्षक	L	CR	P/T	D	TP(E)	Int.	P/V	T
4 (B)	403602	रचनाकार प्रेमचंद	4	4	-	2.5	75	25	-	100

उद्देश्य :

1. प्रेमचंद के कथासाहित्य में व्यक्त आदर्शवादी सोच व प्रतिफलन से अवगत कराना।
2. कथाकार प्रेमचंद के आदर्शोन्मुख यथार्थवादी होने के कारणों व परिणामों से अवगत कराना।
3. प्रेमचंद की यथार्थवादी मंजिल के महत्त्व व उसके विमर्श से अवगत कराना।
4. प्रेमचंद के कथेतर लेखन के विविध रूपों से अवगत कराना।

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1. प्रतिनिधि कहानियाँ - प्रेमचंद, राजकमल प्रकाशन, प्रा. लि. 1 - बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली - 110002
2. गबन- प्रेमचंद, सुमित्र प्रकाशन, 204 लीला अपार्टमेंट्स, 15 हेस्टिंग्स रोड, इलाहाबाद-1

	Topics and details	No. of Lectures Assigned	Marks Assigned	Credit
ईकाई 1	• साहित्य में आदर्शवाद की परम्परा एवं प्रयोग • प्रेमचंद की आदर्शवाद संबंधी मान्यताएँ व उस परम्परा में उनके योगदान का मूल्यांकन • आदर्शवाद और प्रेमचंद के सामाजिक सरोकार • आदर्शोन्मुख यथार्थवाद : अवधारणा एवं प्रयोग • आदर्श और यथार्थ को लेकर प्रेमचंद का द्वंद्व	15	25	1
ईकाई 2	• चयनित कहानियाँ - बड़े भाई साहब, बड़े घर की बेटी, ईदगाह, मंत्र, पंच परमेश्वर, पूस की रात , नमक का दारोगा , कफन, ठाकुर का कुआँ, शतरंज के खिलाड़ी	15	25	1
ईकाई 3	• उपन्यास 'गबन' • 'गबन' में चित्रित समस्याएँ • मध्यम वर्ग की मानसिकता • 'गबन' के चरित्र-पात्र • 'गबन' की भाषा और शिल्पविधान	15	25	1
ईकाई 4	• आधार रचना - 'प्रेमचंद : कुछ विचार' • नाटककार और पत्रकार प्रेमचंद • पात्रों के आईने में प्रेमचंद • साहित्य व समाज के चिंतक प्रेमचंद	15	25	1

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्मा , राजकमल प्रकाशन प्रा .लि., 1 बी, नेताजी सुभाष मार्ग,नई दिल्ली - 110002
2. प्रेमचंद की कला - नन्ददुलारे वाजपेयी
3. प्रेमचंद : विरासत का सवाल - शिवकुमार मिश्र ,वाणी प्रकाशन, 21 ए, दरियागंज, नई दिल्ली - 110002
4. प्रेमचंद : विगत महत्ता व वर्तमान अर्थवत्ता - सं. मुरली मनोहर प्रसाद सिंह
5. प्रेमचंद के आयाम - सं. ए. अरविदाक्षण
6. आलोचनात्मक यथार्थवाद और प्रेमचंद - सत्यकाम
7. कहानीकार प्रेमचंद : रचना दृष्टि और रचना शिल्प - शिवकुमार मिश्र
8. प्रेमचंद : कहानी का रहनुमा -डॉ. जाफर रज़ा
9. गोदान : संवेदना और शिल्प - चन्द्रेश्वर कर्ण
10. प्रेमचंद के विचार (तीन भागों में) - प्रेमचंद, प्रकाशन संस्थान, 4715 / 21, दयानंद मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली - 02
11. प्रेमचंद रचना संरचना - निर्मल वर्मा व कमलकिशोर गोयनका
12. प्रेमचंद के उपन्यासों में समकालीनता - रजनीकांत जैन ,लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद - 211001
13. प्रेमचंद की विरासत - राजेंद्र यादव ,सामयिक प्रकाशन 3320-21, जटवारा, एन.एस.मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली - 110002
14. प्रेमचंद : जीवन, कला और कृतित्व - हंसराज रहबर , किताबघर प्रकाशन, 4855-56/24, अंसारीरोड, दरियागंज, नई दिल्ली - 110002
15. प्रेमचंद : एक विवेचन - इन्द्रनाथ मदान ,राधाकृष्ण प्रकाशन, 7/23, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली - 02
16. प्रेमचंद पत्रों में - सं. मंगलमूर्ति,अनामिका पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा .लि., 4697/3, 21 ए, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली - 110002
17. 'एकांतर' पत्रिका का प्रेमचंद विशेषांक , अप्रैल - सितंबर , 2008 सं. डॉ. महेन्द्र, सी/302, नेशनल एवेन्यू, आकुर्ली रोड, कांदीवली (पूर्व), मुंबई - 400101